Physical Geography of the India (Part-1)

Mr. Ravi Kant Anand

Page No. 1
Date 22 10 21

To The Point Special

भारत का
भौतिक भूगोल

- भौगोलिक अवस्थिति एवम् विशेषताएँ
- भारत की भूगर्भिक चट्टानें और खनिज
- भारत का भौगोलिक विभाजन

भौगोलिक अवस्थिति एवम् विशेषताएँ

→ विषुवत रेखा के उत्तर में 8°4' से 37°6' उत्तरी अक्षांश और 68°7' से 97°25' पूर्वी देशांतर के मध्य विस्तृत है।

→ उपमहद्वीप के पूर्व में बंगाल की खाड़ी, पश्चिम में अरब सागर एवम् दक्षिण में हिन्द महासागर स्थित हैं।

→ क्षेत्रफल की दृष्टि से रूस, कनाडा, चीन, अमेरिका, ब्राजील एवम् ऑस्ट्रेलिया के बाद भारत सातवें और जनसंख्या की दृष्टि से चीन के बाद दूसरे स्थान पर है।

→ उत्तर-दक्षिण लं. लगभग 3214 किमी., पूर्व-पश्चिम लं. लगभग 2933 किमी. है।

→ 68°7' और 97°25' देशांतर रेखाओं के बीच लगभग 30° देशांतर रेखाओं में विस्तृत है।

→ भारत के पश्चिमी छोर से पूर्वी छोर तक घूमने में पृथ्वी को लगभग 120 मिनट का समय लगता है इसलिए अरुणाचल प्रदेश और गुजरात के मध्य समय में 2 घंटे का अंतर है।

→ 82½° देशांतर रेखा को भारत के मानक समय (IST) के निर्धारण के लिए मानक याम्योत्तर के रूप में स्वीकार किया गया है।

→ भारतीय मानक समय रेखा भारत के 5 राज्यों उत्तर-प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा एवम् आंध्रप्रदेश से गुजरती है।

→ 23½° उत्तरी अक्षांश रेखा या कर्क रेखा भारत के लगभग मध्य से गुजरती है।

→ कर्क रेखा देश के आठ राज्यों से होकर गुजरती है- गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा एवम् मिजोरम

→ झारखंड की राजधानी राँची और गुजरात की राजधानी गाँधीनगर कर्क रेखा पर स्थित एवम् मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल कर्क रेखा के दक्षिण में बिल्कुल समीप स्थित है।

→ भारत की स्थलीय सीमाएँ 7 देशों से मिलती हैं जो इस प्रकार है —

- उत्तर में चीन और नेपाल
- उत्तर-पश्चिम में पाकिस्तान और अफगानिस्तान
- पूर्व में बांग्लादेश एवम् म्यांमार
- उत्तर-पूर्व में भूटान

→ पाकिस्तान एवम् बांग्लादेश को छोड़कर अफगानिस्तान, चीन, नेपाल, भूटान एवम् म्यांमार के साथ भारत प्राकृतिक सीमा बनाता है।

→ पूर्व में जम्मू और कश्मीर राज्य से अलग करके बने केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख की सीमाएँ चीन, अफगानिस्तान एवम् पाकिस्तान से लगी हुई हैं।

→ भारत के पड़ोसी देशों की सीमा से लगने वाले भारतीय राज्य / केंद्रशासित प्रदेश

- पाकिस्तान – जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, पंजाब, राजस्थान और गुजरात
- चीन – लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश
- म्यांमार – अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर और मिजोरम
- बांग्लादेश – मिजोरम, त्रिपुरा, असम, मेघालय और पश्चिम बंगाल
- नेपाल – उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, सिक्किम
- भूटान – सिक्किम, पश्चिम बंगाल, असम एवम् अरुणाचल प्रदेश

→ पड़ोसी देशों से घिरे हुए भारतीय राज्य / केंद्रशासित प्रदेश

- सिक्किम – नेपाल, चीन और भूटान से
- पश्चिम बंगाल – नेपाल, भूटान एवं बांग्लादेश से
- लद्दाख – चीन, अफगानिस्तान एवम् पाकिस्तान से
- त्रिपुरा बांग्लादेश से तीन तरफ से घिरा हुआ है।

→ क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का सबसे छोटा राज्य : गोवा

→ जनसंख्या की दृष्टि से भारत का सबसे छोटा राज्य : सिक्किम

→ मुख्य भूमि के अलावा भारत के दो द्वीप समूह हैं।

- बंगाल की खाड़ी में अंडमान एवम् निकोबार द्वीप समूह
- अरब सागर में लक्षद्वीप

→ 9 राज्यों की सीमाएँ समुद्री तटरेखा से सम्बद्ध है- गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश, ओडिशा, पश्चिम बंगाल
→ सबसे लम्बी तटरेखा वाला राज्य गुजरात है; दूसरे और तीसरे स्थान पर क्रमशः आंध्रप्रदेश एवम् तमिलनाडु है।
→ सबसे छोटी तट रेखा वाला राज्य गोवा है।
→ भारतीय प्रायद्वीप का दक्षिणतम बिन्दु कन्याकुमारी है।
→ भारत का दक्षिणतम बिंदु इंदिरा प्वाइंट है जो ग्रेट निकोबार में स्थित है।
→ भारत का सबसे उत्तरी बिंदु इंदिरा कॉल है और सबसे पश्चिमी बिंदु गुहार मोता (गुजरात) है जबकि सबसे पूर्वी बिंदु किबिथु (अरुणाचल प्रदेश) है।
→ ग्रेट निकोबार स्थित इंदिरा प्वाइंट को पिग्मेलियन भी कहते हैं।

भारत की भूगर्भिक चट्टानें और खनिज

भारतीय चट्टानों का वर्गीकरण

(i) आर्कियन समूह की चट्टानें
- ये नाइस एवम् शिष्ट प्रकार की चट्टानें हैं जैसे - बुंदेलखंड या बरेली, बंगाल नीस

(ii) धारवाड़ क्रम की चट्टानें
- प्राचीनतम परतदार चट्टानें; जीवाश्म का अभाव
- आर्थिक दृष्टि से काफी समृद्ध चट्टानें
- प्रमुख धातुएँ - सोना, मैंगनीज, तांबा, जस्ता,

क्रोमिजम, टंगस्टन, लोहा आदि।

(iii) कुडप्पा क्रम की चट्टानें

- धारवाड़ क्रम की चट्टानों के अपरदन एवम् निक्षेपण से निर्मित
- ये परतदार चट्टानें हैं, जीवाश्म का अभाव पाया जाता है।
- ये बलुआ पत्थर, चूना पत्थर, संगमरमर, एस्बेस्टस आदि के लिए प्रसिद्ध है।
- मुख्यतः आंध्रप्रदेश, मध्यप्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु और कर्नाटक के कुछ क्षेत्रों में पाई जाती है।

(iv) विन्ध्यन क्रम की चट्टानें

- पाँच प्रमुख क्षेत्र

→ सोन नदी की घाटी में सेमरी श्रेणी
→ आंध्रप्रदेश के दक्षिण-पश्चिमी भाग की कर्नूल श्रेणी
→ भीम नदी की घाटी में भीमा श्रेणी
→ राजस्थान में जोधपुर और चित्तौरगढ़ में पलानी श्रेणी
→ ऊपरी गोदावरी घाटी तथा नर्मदा घाटी के उत्तर में मालवा और बुंदेलखंड

- इन्हीं चट्टानों के अन्तर्गत मध्यप्रदेश में पन्ना की खान और आंध्रप्रदेश में गोलकुंडा की खानों से हीरा निकलता है।

(v) गोंडवाना क्रम की चट्टानें

- बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में विस्तार
- ये चट्टानें भारत में प्रमुख रूप से तीन नदी घाटियों में पाई जाती हैं

→ दामोदर नदी घाटी – झारखंड का झरिया कोयला क्षेत्र
→ महानदी घाटी – ओडिशा का तलचर कोयला क्षेत्र

- गोदावरी नदी घाटी – आंध्रप्रदेश का सिंगरैनी कोयला क्षेत्र

(vi) दक्कन ट्रैप
- मेसोजोइक युग के अंतिम काल में प्रायद्वीपीय भारत में ज्वालामुखी विस्फोट के कारण लावा उद्गार के फलस्वरूप निर्माण हुआ।
- बेसाल्ट और डोलोराइट चट्टानों से निर्मित
- इनके विखंडन से काली मिट्टी का निर्माण जिसे कपास मिट्टी या रेगुर भी कहते हैं।

भारत का भौगोलिक विभाजन

भारत सामान्यतः 4 भौतिक भागों में विभाजित है-

(1.) उत्तरी पर्वतीय प्रदेश
(2.) दक्षिण का प्रायद्वीपीय पठार
(3.) विशाल मध्यवर्ती मैदान
(4.) तटवर्ती मैदान और द्वीप समूह

(1.) उत्तरी पर्वतीय प्रदेश –
- इसके अंतर्गत ट्रांस हिमालय, हिमालय पर्वत श्रेणी और पूर्वांचल की पहाड़ियाँ शामिल हैं।

हिमालय पर्वत श्रेणी
- विश्व का नवीनतम मोड़दार पर्वत
- पश्चिम में जम्मू-कश्मीर में नाग पर्वत से लेकर पूर्व में नामचा बरवा पर्वत चोटी तक विस्तार है।
- हिमालय के पूर्वी छोर पर स्थित दक्षिणवर्ती मोड़ की पहाड़ियों को पूर्वोत्तर भारत के राज्यों में

अलग - अलग नामों से जाना जाता है।

* अरुणाचल प्रदेश - पटकाई बुम
* नागालैण्ड - नागा पहाड़ी
* मणिपुर - मणिपुर पहाड़ी
* मिजोरम - मिजो पहाड़ी

• हिमालय का नदियों के आधार पर विभाजन -

* पंजाब / कश्मीर हिमालय - सिंधु नदी और सतलज नदी के बीच
* कुमाऊँ हिमालय - सतलज नदी और काली नदी के बीच
* नेपाल हिमालय - काली नदी और तीस्ता नदी के बीच
* असम हिमालय - तीस्ता नदी और दिहांग नदी के बीच

• जम्मू-कश्मीर के प्रमुख दर्रे -

* काराकोरम - भारत का सबसे ऊँचाई पर स्थित दर्रा, पाक अधिकृत कश्मीर से होकर जाने वाला चीन-पाकिस्तान सड़क मार्ग इसी दर्रे से होकर गुजरता है।
* खार्दुंगला - लद्दाख श्रेणी पर स्थित, लेह से सियाचिन को जोड़ता है।
* बुर्जिल - जास्कर श्रेणी पर स्थित
* जोजिला - जास्कर श्रेणी पर स्थित, श्रीनगर से लेह को जोड़ता है।
* बेनिहाल - पीरपंजाल श्रेणी पर स्थित जम्मू से श्रीनगर को जोड़ता है, NH1A इसी से गुजरता है, इसी दर्रे में जवाहर सुरंग स्थित है।

- हिमाचल प्रदेश में अवस्थित दर्रे –
- बारा लाच ला – जास्कर श्रेणी पर स्थित, मंडी से लेह को जोड़ता है।
- शिपकी ला – हिमाचल प्रदेश और तिब्बत सीमा पर जास्कर श्रेणी में स्थित, सतलज नदी हिमाचल प्रदेश में इसी दर्रे से प्रवेश करती है।
- रोहतांग दर्रा
- उत्तराखंड के प्रमुख रूप से दर्रे – मुलिंग ला, माना ला, नीति ला और लिपुलेख
- सिक्किम में प्रमुख रूप से दो दर्रे नाथू ला और जेलेप ला हैं।
- चुम्बी घाटी सिक्किम राज्य के अंतर्गत स्थित है, चुम्बी घाटी से होकर तिब्बत जाने का मार्ग नाथू ला और जेलेप ला दर्रों से गुजरता है।
- भारत-चीन के बीच सड़क व्यापार नाथू ला दर्रे से होता है।
- मणिपुर एवम् म्यांमार सीमा पर तुजु दर्रा स्थित है।

# # #